

* मच्छर ने
तिरछी वसीयत



वाणी प्रकाशन व वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया

मच्छर ने लिखी वसीयत



वाणी प्रकाशन

21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली-110002

फोन : 011-23273167, 23275710, फैक्स : 011-23275710

e-mail : vaniprakashan@gmail.com

Website : www.vaniprakashan.in

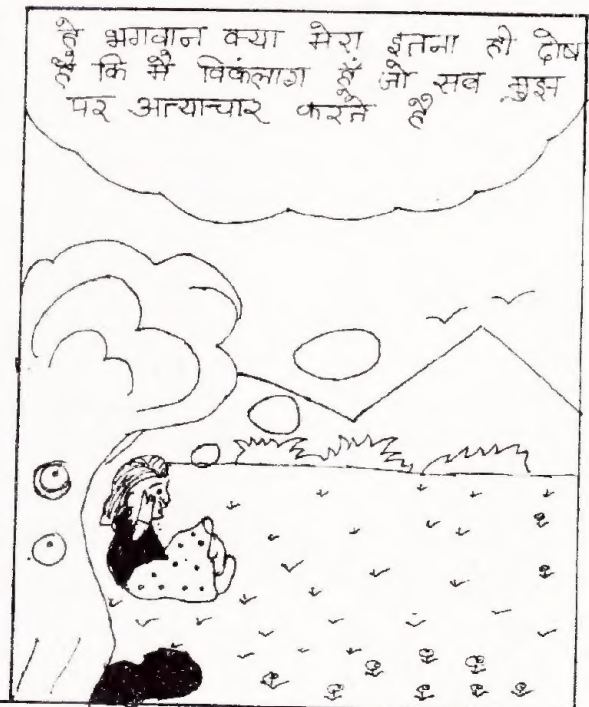
ISBN : 978-93-5000-563-7

संस्करण : 2011

सर्वाधिकार © वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया

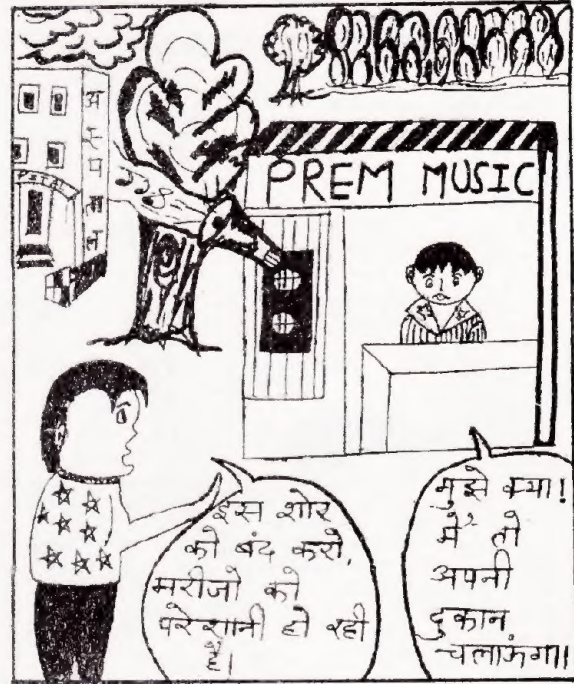
मूल्य : 30 ₹

मेरा गुनाह क्या ?



नाम - शोनिया करण
जिला - हरिद्वार
(उत्तराखण्ड)

बीमारी का कारण



कीर्तिशर्मा
[दौसा]



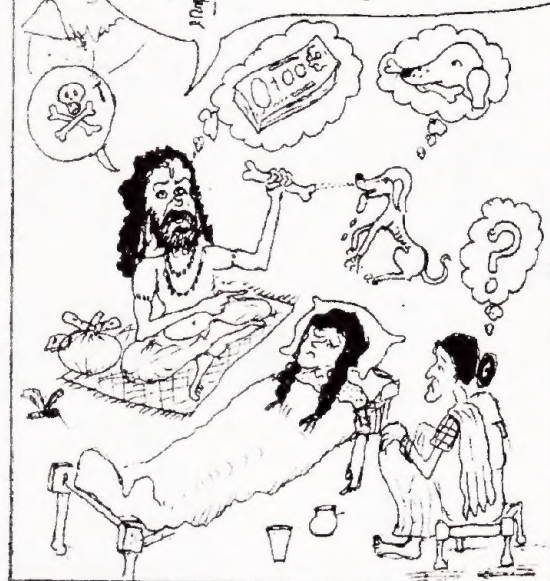
स्वस्थ ही जीवन है



आनकीपुर गाँव में मुन्नी अपनी माँ के साथ रहती थी। अचानक डायरिया का प्रकोप चला।



इस बच्ची पर डायन का आला सवार है और मर चुकी है इसलिए मैं कुछ नहीं कर सकता।



पासवाले डॉक्टर को पता चलते ही गाँव आ पहुँचा।

मुन्नी की मृत्यु डायन के कारण नहीं बल्कि डायरिया के कारण हुआ है।

घर के आसपास की गंदगी को साफ करो बीमारी नहीं फैलेगी।



अगले दिन से ही उसने सबको खबर कर दिया।

सभी कचड़ों को घर के सामने से दूर फेंको।

काश! मैं पहले ध्यान देती तो मेरी मुन्नी छान्य जाती।



ANAM PURTY

'JOHAR' CHAIBASA

उड़ती मौत



नाम - धनशम माझी
स्कूल - आर्य समाज कॉलेज गौहर घुमरी
पृष्ठ 22

कूड़ेदान का उपयोग



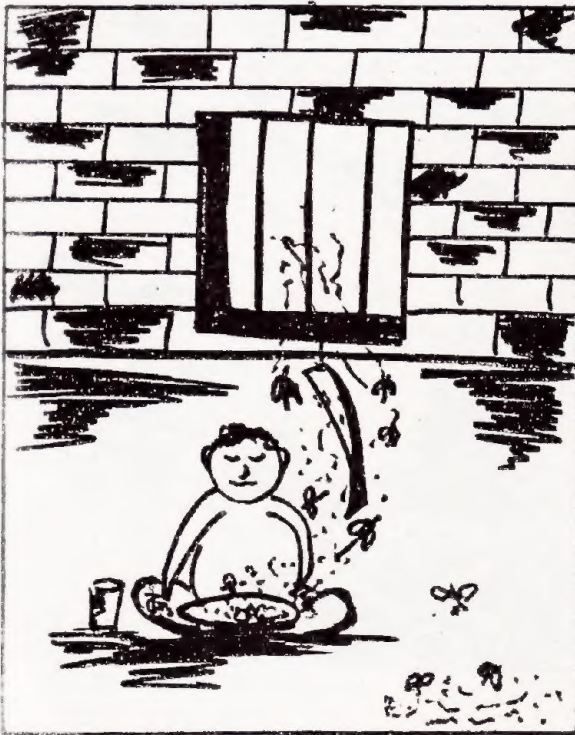
हाथ ये क्या किया ?



BIRENDRA KUMAR
VILL - DANTOLA
POST OFF - MAJHALI
DIST - ALMORA
MO - 941485747

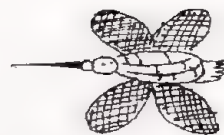


शौच से पहले सोच



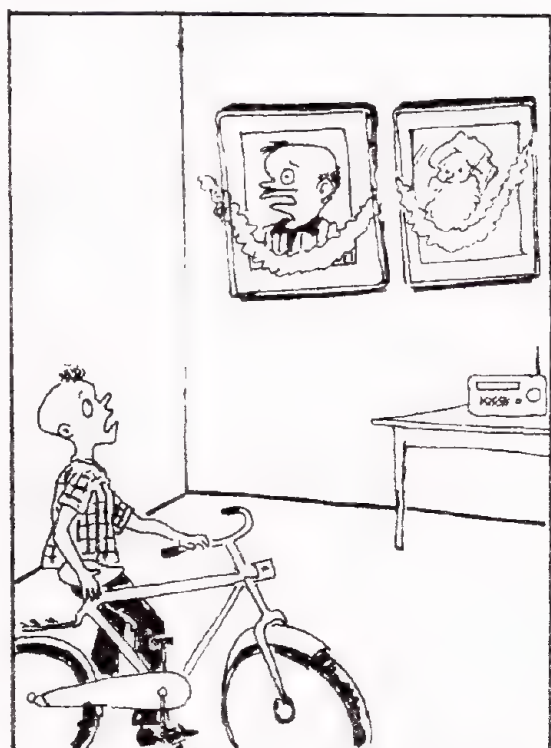


मेलेरिया



केलाश गोरई
आशरा सईया
अमरोदपुर

जीवन अनमोल है।



लखीन्द्र नायक

नतीजा



मच्छर ने लिखी वसीयत



लखीन्द्र नायक

सहर नै लिखी वसीयत

ये हैं श्रीमती शर्मा जो अपने घर का कड़ा बाहर फेंकती हैं.....



श्रीमती शर्मा के सुसुरजी शैलशास को घर के बाहर कुर्सी पर बैठा करे थे।



रचने:
जर्हि दिल्लो

जीना हुआ आसान





कुष्ठ का इलाज सम्भव है। (४२७)



पछतावा



Sarita Saluja
Bharatpur.

मच्छर ने तिरछी वसीयत

